विचार बिन्दु

त्याग यह नहीं कि मोटे और खुरदरे वस्त्र पहन लिए जायें और सूखी रोटी खायी जाये, त्याग तो यह है कि अपनी इच्छा अभिलाषा और तृष्णा को जीता जाये। –सुफियान सौरी

आम लोगों की जेब पर भारी पड़ती सुविधाओं के नाम पर बैंकों की वसूलियां

पिछले पांच सालों में एसबीआई को छोड़ शेष 11 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने केवल और केवल मिनिमम बैलेंस के नाम पर 8 हजार 500 रु. करोड़ रु. की कमाई की है। इसका साफ साफ अर्थ है कि गरीब आदमी के खातों से साढ़े आठ हजार करोड़ रुपए तो इन बैंकों में न्यूनतम बैलेंस ना रख पाने के कारण गवाने पड़े हैं। यह तो तब है जब देश के सबसे बड़े बैंक ने 2019-20 में न्यूनतम बैलेंस की पैनेल्टी के रुप में 640 करोड़ जुर्माना के रुप में वसूलने के बाद न्यूनतम बैलेंस पर पेनेल्टी लगाने का आदेश वापिस ले लिया। 12 में से 11 बैंकों की साढ़े 8 हजार करोड़ की पांच साल में पेनेल्टी वसूली रही है तो कल्पना की जा सकती है कि निजी क्षेत्र के बैंकों ने इस तरह के जुर्माने से कितना खजाना भरा होगा। साढ़े 8 हजार करोड़ रु. की जुर्माना राशि का आंकड़ा किसी भी तरह से कपोल कल्पित या अतिशयोक्ति पूर्ण नहीं हैं क्योंकि यह जानकारी अधिकृत रुप से संसद में केन्द्रीय वित राज्य मंत्री पंकज चौधरी द्वारा दी गई है। एक मोटे अनुमान के अनुसार देश में बैंकों में मार्च, 23 में 294 करोड़ से अधिक खाते हैं। अब यह स्पष्टीकरण देने का कोई मतलब नहीं कि यह पैसा गरीब खातेदारों के अकाउंट्स से ही गया हैं क्योंकि पैसे वाले खाताधारकों के खातों में तो न्यूनतम बैलेंस रहता ही है।

देश में बैंकिंग नेटवर्क का इसी से अंदाज लगाया जा सकता है कि 12 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, 22 निजी क्षेत्र के बैंक, 44 विदेशी बैंक, 56 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, 1485 अरबन कोआपरेटिव बैंक और हजारों की संख्या में ग्रामीण सहकारी बैंकिंग संस्थाएं हैं। यह तो सभी संस्थागत बैंकिंग संस्थाएं है। इसमें कोई दो राय नहीं कि बैंकिंग सेवाओं का विस्तार हुआ है। 24 गुणा 7 सेवाएं मिलने लगी है। जन धन खातों की परिकल्पना से गरीब से गरीब आदमी का बैंकों से जुड़ाव हुआ है। और अब डिजीटल लेन-देन की सुविधा ने तो सब कुछ ही बदल कर रख दिया है। आज पांच रुपए का धनिया तक पेटीएम या इसी तरह के किसी प्लेटफार्म से आसानी से भुगतान कर खरीदा जा सकता है। दिन प्रतिदिन डिजीटल पेमेंट का चलन आम होता जा रहा है। चंद मिनटों में कहीं से भी किसी को भी मोबाईल या ऑनलाईन बैंकिंग सुविधा से चंद सैकंड में भुगतान पहुंचने लगा है। यह सब बैंकिंग सेवाओं में सुधार और विस्तार का उदाहरण है तो दूसरी और नकदी लेन-देन का स्थान डिजीटल पेमेंट ने ले लिया है।

बैंकों द्वारा सुविधाओं के नाम पर वसूली राशि बहुत अधिक होने के साथ ही आम खाताधारक के लिए भारी पड़ने लगी है। डुप्लीकेट पासबुक से लेकर चैक बाउंस होने पर रिटर्न चार्ज, सिग्नेचर वैरीफाई चार्ज, नोमिनी का नाम बदलवाने, इंट्रेस्ट सर्टिफिकेट लेने, ईकेवाईसी और इसी तरह की सेवाओं के लिए चार्ज लिए जाते हैं।

बैंकिंग सुविधाओं का विस्तार निश्चित रुप से शुभ संकेत माना जाना चाहिए। यह भी साफ है कि लोगों में निश्चित रुप से अवेयरनेस आई है। यह दूसरी बात है कि साइबर ठगी के मामलें भी बहुत अधिक होने लगे हैं। पर सबसे अधिक चिंतनीय बैंकों द्वारा अपनी आय बढ़ाने के लिए सुविधाओं के नाम पर चार्जेज लगालगाकर अपनी आय बढ़ाना है। आम आदमी को किसी तरह की गलत फहमी में नहीं रहना चाहिए कि बैंक उन्हें यह सेवाएं फ्री में दे रहे हैं। आज हालात यह है कि एटीएम पोस मशीन से बड़ा बड़ा कारोबारी भुगतान लेने को तैयार नहीं होता। उसका साफ कहना होता है कि इसमें हमारे चार्जेज लग जाते हैं इसलिए डिजीटल प्लेटफार्म से ही भुगतान प्राप्त करना उचित समझते हैं। खैर चिंतनीय बात यह है कि बैंकों द्वारा सुविधाओं के नाम पर वसूली राशि बहुत अधिक होने के साथ ही आम खाताधारक के लिए भारी पड़ने लगी है। आज हो यह रहा है कि बैंक की छोटी से छोटी सेवा के लिए भी भुगतान करना पड़ता है। भुगतान के आसान तरीके आरटीजीएस और एनईएफटी की सेवाएं चार्जेवल है। हांलाकि दो लाख तक के आरटीजीएस पर कोई चार्ज नहीं लिया जाता पर राशि बढ़ने के साथ ही चार्ज बढ़ता जाता है। डुप्लीकेट पासबुक से लेकर चैक बाउंस होने पर रिटर्न चार्ज, सिग्नेचर वैरीफाई चार्ज, नोमिनी का नाम बदलवाने, इंट्रेस्ट सर्टिफिकेट लेने, ईकेवाईसी और इसी तरह की सेवाओं के लिए चार्ज लिए जाते हैं। एटीएम का उपयोग हांलाकि अब कम होता जा रहा है पर दूसरे बैंक के एटीएम के उपयोग और इसी तरह की अन्य सेवाओं के लिए चार्जेज आम होता जा रहा है। देखा जाए तो हमें पता ही नहीं चल पाता कि बैंकों द्वार कब कितना पैसा काट लिया जाता है। लेनदेन की सूचना के एसएमएस से लेकर अन्य सेवाएं करीब करीब सशुल्क होने के कारण हमें कुछ ना कुछ चुकाना ही पड़ता है। चिंतनीय यह है कि इस सबके बावजूद बैंकों में ग्राहकों के प्रति जो संवेदनशीलता और आपसी संबंध होने चाहिए वह कहीं खोते जा रहे हैं।

इसमें कोई दो राय नहीं कि बैंक सेवा प्रदाता संस्था हैं और सहज सुविधाएं उपलब्ध कराने और निरंतर सेवाओं में सुधार के लिए बैंकों द्वारा प्रयास किये जाते रहे हैं। पर इसके साथ ही बैंकों को न्यूनतम बैलेंस या अन्य तरह के अनावश्यक चार्जेज लगाने से पहले आम खाताधारकों के हितों को भी देखना चाहिए। बैंक केवल और केवल पैसा कमाने का स्थान नहीं हैं अपितु बैंकों की भी आमजन के प्रति जिम्मेदारी बनती हैं। सभी कुछ केवल और केवल खाताधारक से ही देय है तो फिर बैंकों और पुराने जमाने के साहूकारों या आज के गली-गली में फैले सूदखोरों या फिर बॉक्सरों से वसूली करने वाली संस्थाओं से अलग होना ही पड़ेगा। कहीं ना कहीं सरकार और बैंकिंग संस्थाओं को जनसरोकारों से भी जुड़ना होगा ताकि जिस तरह से पिछले कुछ सालों में बैंकों में आम आदमी की सहज पहुंच हुई हैं और आम आदमी का मोबाईल अब बैंक बन गया है यह सराहनीय है। आवश्यकता चार्जेज के पुनरावलोकन की है। इस और ध्यान देना ही होगा।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

राशिफल गुरूवार 8 अगस्त, 2024

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, शुक्ल पक्ष, चतुरथी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2081, उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र रात्रि 11:34 तक, शिवयोग दिन 12:29 तक, वणिज करण दिन 11:21 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-वृष, बुध-सिंह, गुरू-वृष, शुक्र-सिंह, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

रवियोग रात्रि 2:44 तक है। आज वरद विनायक चतुर्थी, दुर्वा गणपति व्रत है और श्रवण तपस्या आरम्भ होगी।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:37 तक, चर 10:54 से 12:32 तक, लाभ-अमृत 12:32 से 3:49 तक, शुभ 5:28 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:59, सूर्यास्त 7:05

मेष
परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों एवं आय में वृद्धि होगी।

सिंह
आर्थिक/वित्तिय मामलों में संतुलन बना रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों सफलता से मनोबल-आत्मविश्वास ऊंचा रहेगा।

धनु
व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

वृष
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है।

कन्या
व्यक्तिगत पारिवारिक कार्य के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

मकर
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

मिथुन
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्य के लिए यात्रा संभव है।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुंभ
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आज बनते कार्य बिगड़ने का भय है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

वृश्चिक
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मीन
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

माइक्रो क्लाइमेट जोन के अनुसार पौधे लगाएं, संरक्षण का लें संकल्प : गजेन्द्र सिंह

बीकानेर, (कासं)। 75 वां जिला स्तरीय वन महोत्सव बुधवार को बीछवाल के मरूधरा बायोलॉजिकल पार्क में आयोजित किया गया। जिला प्रशासन एवं वन विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री तथा जिला प्रभारी मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर सहित बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने 'एक पौधा मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण किया।

इस अवसर पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की शुरूआत कर देश भर के लोगों से इसमें अधिक से अधिक भागीदारी का आव्हान किया। प्रधानमंत्री की यह अपील आज जन आंदोलन बन गई है और देश भर में पौधारोपण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पौधे लगाने के साथ इनके संरक्षण का संकल्प लेना जरूरी है।

बीछवाल के मरूधरा बायोलॉजिकल पार्क में जिला स्तरीय वन महोत्सव में प्रभारी मंत्री गजेन्द्र सिंह ने पौधारोपण किया।

- **प्रभारी मंत्री ने पौधा लगाकर जिला स्तरीय वन महोत्सव की शुरूआत की**

प्रभारी मंत्री ने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में इस वर्ष सघन पौधारोपण किया जा रहा है। प्रदेश में सात करोड़ पौधे लगाए जाने का लक्ष्य है। इसी श्रृंखला में हरियाली तीज के अवसर पर 1 करोड़ पौधे लगाये जायेंगे। उन्होंने कहा कि इस अभियान में प्रत्येक व्यक्ति का सहयोग हो और प्रदेश को हरा-भरा बनाएं।

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि सरकार के सतत प्रयासों से आमजन में पौधारोपण के प्रति जागरूकता आई है। इससे बरसात में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रदेश विशाल भू-भाग में फैला है। इसमें कई माइक्रो क्लाइमेट जोन हैं। इसके अनुसार ही पौधे लगाए जाएं, जिससे ये जीवित रह सकें। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वज इस बात को भलीभांति जानते थे। उनके लगाए पौधे आज भी हमारे लिए उपयोगी हैं। इससे पहले प्रभारी मंत्री ने पौधा लगाकर जिला स्तरीय वन महोत्सव की शुरूआत की। इस दौरान खाजूवाला विधायक डॉ. विश्वनाथ मेघवाल, बीकानेर (पश्चिम) विधायक जेठानंद व्यास, जिला प्रमुख मोडाराम, महापौर सुशीला कंवर राजपुरोहित, जिला प्रभारी सचिव कृष्ण कुणाल, संभागीय आयुक्त श्रीमती वंदना सिंघवी, महानिरीक्षक पुलिस ओमप्रकाश, जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि एवं पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम सहित अन्य अतिथियों ने भी पौधारोपण किया। संभागीय मुख्य वन संरक्षक हनुमानाराम ने अतिथियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि इस स्थान को मातृ वन के रूप में विकसित किया जायेगा।

कार्यक्रम का संचालन संजय पुरोहित ने किया। कार्यक्रम में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोहन लाल, अतिरिक्त कलेक्टर (प्रशासन) डॉ. दुलीचंद मीणा, अतिरिक्त कलेक्टर (शहर) उम्मेद सिंह रतनू, उप वन संरक्षक एस. शरत बाबू, मोहन सुराणा, श्यामसुंदर चौधरी, श्याम सिंह हाडला, जितेन्द्र सिंह राजवी, भंवर जांगिड़, देवीलाल मेघवाल, अनिल पुरोहित, अनिल आचार्य सहित एनएसएस, एनसीसी, स्काउट गाइड, एमएस कॉलेज की छात्राएं, वन विभाग के कार्मिक सहित आमजन मौजूद थे।

गुसाईसर गांव में मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान हरियालो राजस्थान अभियान के तहत एक विशेष वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला अग्रणी बैंक, एसबीआई आरसेटी, और ग्राम पंचायत गुसाईसर के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इस महत्वपूर्ण पहल में गांव के स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम में सरपंच राम कैलाश गोदारा, मुख्य अतिथि एवं जिला अग्रणी बैंक के मुख्य प्रबंधक वाई. एन. व्यास और ग्राम पंचायत गुसाईसर के वरिष्ठ प्रतिनिधि जीतू सिंह उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि वाई. एन. व्यास ने पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन और वृक्षारोपण के लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए अपने विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि कैसे एक पेड़ हमारे जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकता है और समाज को समृद्ध बना सकता है। उन्होंने महिलाओं के योगदान की भी सराहना की। वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान गांव के नागरिकों ने भाग लिया।

सीवरेज के शोधित पानी से रेत के धोरों में हरियाली की चादर

बीकानेर, (कासं)। सीवर लाइनों में बहने वाला गंदा पानी अब नासूर नहीं उपयोगी साबित हो रहा है। शहर के आस-पास के गोचर व रेतीली जमीन को हरियाली से आच्छादित करने में काम आ रहा है।

- **गोचर की करीब ढाई सौ बीघा भूमि पर पौधे व घास लग चुकी है, वर्तमान में प्रतिदिन करीब 70 हजार पौधों को एसटीपी से शोधित पानी मिल रहा है**

सीवर लाइनों से पंपिंग स्टेशन तक व यहां से सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट पहुंच रहे इस पानी को शोधित कर कृषि, पौधों को पनपाने व घास उगाने के काम लिया जा रहा है। इस शोधित पानी ने गोचर, रेतीली जमीन की सूरत बदलने में अहम भूमिका निभाई है। आज एसटीपी से शोधित पानी से सैकड़ों बीघा भूमि पर हजारों पौधे पनप रहे हैं। दर्जनों बीघा भूमि पर पशुओं के लिए घास उगाई जा रही है।

शहर में बल्लभ गार्डन, सुजानदेसर कालीमाता मंदिर के पास और सरह नथानिया क्षेत्र तीन स्थानों पर सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट है। यहां से शोधित होकर निकल रहा पानी मरूस्थलीय क्षेत्र में पौधे पनपाने और घास उगाने में मददगार साबित हो रहा है। जानकारों के अनुसार गोचर की करीब ढाई सौ बीघा भूमि पर पौधे व घास लग चुकी है। वर्तमान में प्रतिदिन करीब 70 हजार पौधों को एसटीपी से शोधित पानी मिल रहा है। दर्जनों बीघा भूमि पर लगी घास इस पानी से पनप रही है।

शहर के तीनों एसटीपी की कुल क्षमता 72 एमएलडी पानी रोज शोधित करने की है। इनमें बल्लभ गार्डन एसटीपी की क्षमता 40 एमएलडी, सुजानदेसर एसटीपी की 20 एमएलडी और सरह नथानिया एसटीपी की 12 एमएलडी है। निगम अधिकारियों के अनुसार तीनों एसटीपी से रोज लगभग 38 एमएलडी पानी शोधित हो रहा है। इनमें से अधिकतर पानी का उपयोग पौधे पनपाने और घास उगाने में हो रहा है। सुजानदेसर गोचर में तैयार हो रहे नगर निगम व नगर विकास न्यास के सिटी फॉरेस्ट में एसटीपी से शोधित पानी से वर्तमान में हजारों पौधे पनप रहे हैं। यहां निगम व न्यास की ओर से एक-एक लाख पौधे लगाने का लक्ष्य है। अब तक 50 हजार से अधिक पौधे गोचर क्षेत्र में लग चुके हैं। वन विभाग की ओर से यहां सघन पौधारोपण करवाया हुआ है।

कपास से मोहभंग, मूंग-ग्वार की बुवाई में जुटे

श्रीगंगानगर,(कासं)। जिले में पिछली बार गुलाबी सुंडी की वजह से कपास की फसल बर्बाद होने की वजह से इस बार किसानों का इस फसल से मोहभंग हो गया है। नकदी फसल कपास का किसानों के पास कोई विकल्प नहीं है लेकिन मजबूरी में खाली पड़ी भूमि पर किसान ग्वार व मूंग की की बुवाई कर रहे हैं।

- **गुलाबी सुंडी की वजह से किसानों ने मूंग, मोठ व ग्वार की बुवाई की**

राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में मूंग का लक्ष्य 68 हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल में बुवाई का लक्ष्य तय किया गया था। कृषि विभाग के अनुसार श्रीगंगानगर जिले की गंगानगर, सादुलशहर, सूरतगढ़, श्रीकरणपुर, केसरीसिंहपुर, गजसिंहपुर व पदमपुर तहसील क्षेत्र में एक लाख 5961 हेक्टेयर क्षेत्रफल में मूंग की फसल की बुवाई हुई है। कृषि विभाग के अधिकारियों का कहना है कि कपास की बुवाई कम होने पर किसानों ने मूंग की बुवाई की है। उल्लेखनीय है कि श्रीगंगानगर जिले में कपास, मूंग, ग्वार, मोठ सहित अन्य फसलों को मिलाकर तीन लाख 59 हजार 231 हेक्टेयर क्षेत्रफल में खरीफ की फसल की बुवाई हुई है।

संयुक्त निदेशक कृषि विस्तार श्रीगंगानगर डॉ.सतीश कुमार शर्मा ने बताया कि श्रीगंगानगर जिले में कृषि विभाग ने ग्वार की बुवाई का लक्ष्य 1 लाख 50 हजार हेक्टेयर रखा था और एक लाख 44 हजार 517 हेक्टेयर क्षेत्रफल में बुवाई हुई है। श्रीगंगानगर जिले में कपास की बुवाई कम होने पर किसानों ने मूंग व ग्वार की फसल की बुवाई अधिक की है। मूंग की फसल की बुवाई लक्ष्य से अधिक हुई है।

बंद मकान से लाखों के जेवर व नगदी चोरी

बीकानेर, (कासं)। जिले में चोरी की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही है। नोखा पुलिस थाना क्षेत्र में बीती रात चोरों ने एक बंद मकान को अपना निशाना बनाते हुए लाखों के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया।

दरअसल यह चोरी की वारदात नोखा की कर्मचारी कॉलोनी स्थित बजरंग सारस्वत के घर पर हुई है। उन्होंने इस आशय की रिपोर्ट नोखा पुलिस थाने में दी है। रिपोर्ट में बताया कि वर्तमान में वह अपने परिवार के साथ मुंबई में रह रहा है। जिसके चलते मकान 14 जून से बन्द पड़ा हुआ है। चार अगस्त को उसके बहनोई ने दूरभाष पर बताया कि उसके घर के तालें टूटे हुए है तथा कमरे का सामान बिखरा पड़ा है।

सूचना मिलने के बाद वह नोखा स्थित अपने मकान पहुंचा। जहां मुख्य द्वार का ताला टूटा मिला। घर के अन्दर हॉल व बैडरूम के ताले भी टूटे मिले। अलमारी का लॉक तोड़ा हुआ था। अलमारी में रखी सोने की चैन, अंगूठियां, चांदी की पायल, नगदी चोरी कर ले गए।

2.33 लाख की धोखाधड़ी : एक महिला के साथ टेलिग्राम पर धोखाधड़ी हुई है। दो लाख तैंतीस हजार रूपयों की धोखाधड़ी हुई है। जब धोखाधड़ी होने का अहसास हुआ तो पुलिस थाने में मामला दर्ज करवाया गया। इस आशय की रिपोर्ट पीड़ित महिला के पति गजनेर रोड क्षेत्र निवासी घनश्याम कुम्हार पुत्र किशनाराम ने पुलिस थाने में दी है। रिपोर्ट में आरोप लगाया कि अज्ञात ने उसकी पत्नी के साथ टेलीग्राम से 233898 रुपयों की ठगी कर ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

जर्जर व खण्डर भवन दे रहे हैं हादसों को न्यौता

बीकानेर, (कासं)। इस बरसात के मौसम में बीकानेर शहर में अनेक स्थानों पर जर्जर व खण्डर भवनों के गिरने की वजह से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। जिम्मेवारों को जिम्मेदारी का अहसास तक नहीं है।

- **फ्लेक्स लगाकर ली इतिश्री, यदि हादसा हुआ तो कौन होगा जिम्मेदार**

इसका आलम ये है कि पार्षद ने एक चेतावनी भरा फ्लेक्स लगाकर अपने कार्य के प्रति इतिश्री कर ली है। नगर निगम की सुस्ती के चलते शहर में जगह-जगह खड़े जर्जर मकान, भवनों की वजह से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। शहर में हादसा होने पर जिला प्रशासन हरकत में तो आता है, किंतु जैसे ही मौसम बदलता है। उसी के अनुरूप मामला भी ठंडे बस्ते में चला जाता है। हर बार ऐसे जर्जर व खण्डर में तब्दील हुए भवनों व मकानों के सर्वे कराने के आदेश तो होते है। उन पर कार्रवाई कितनी होती है।

उसी की बानगी है बीकानेर के पारीक चौक में शंकरजी पापड़ वालों की गली में हनुमान कुमार, सुशील पारीक के मकाने के सामने पांच फीट की गली में खण्डर में तब्दील हुआ दो मंजिला मकान। सावन के माह में लगी झड़ी के चलते यह खण्डर में तब्दील हुआ दो मंजिला मकान कभी भी गिर सकता है। जिसके चलते आसपास रहने वालों तथा इस मार्ग से गुजरने वाले लोगों को जान और माल दोनों का ही खतरा बना हुआ है। दिलचस्प बात ये है कि स्थानीय वार्ड पार्षद ने एक चेतावनी भरा फ्लेक्स लगाकर अपने कार्य के प्रति इतिश्री कर ली है।

इसी प्रकार से पारीक चौक में खेजड़ी के पास सैटेलाइट अस्पताल के सामने भी एक मकान पिछले 20 वर्षों से बंद व खंडहर पड़ा है। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय व हैप्पी नर्सरी सैकण्डरी स्कूल जाने का रास्ता है। खुली जगह होने से दोनों स्कूलों के बच्चे खेलते भी हैं। देखा जाए तो नगर निगम सूचना तंत्र सफाई कर्मचारी जमादार सफाई निरीक्षक से शुरू होता है। इस तंत्र को ना अवैध निर्माण नजर आता है और ना ही खंडहर में तब्दील होते मकान से शायद इन्हें किसी बड़े हादसे का इंतजार है।

गांव की महिलाओं को दी स्तन पान के महत्व की जानकारी

बीकानेर, (कासं)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के द्वारा हाल ही में गोद लिए गए गांव पेमासर में बुधवार को पशु चिकित्सा शिविर व फलों के मूल्य संवर्धन उत्पादन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साथ ही गांव की महिलाओं को स्तन पान के महत्व पर भी विस्तृत जानकारी दी गई।

राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के द्वारा हाल ही में गोद लिए गए गांव पेमासर की महिलाओं को स्तन पान के महत्व के बारे में जानकारी दी।

- **हरियाली तीज के अवसर पर गांव के लोगों को नीम और सहजन का एक-एक पौधा भी भेंट किया**

हरियाली तीज के अवसर पर गांव के लोगों को नीम और सहजन का एक-एक पौधा भी भेंट किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि खाजूवाला विधायक डॉ विश्वनाथ मेघवाल, विशिष्ट अतिथि जिला परिषद सीईओ सोहनलाल, पेमासर सरपंच एवं सरपंच एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष तोलाराम कूंकणा थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरूण कुमार ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खाजूवाला विधायक डॉ विश्वनाथ मेघवाल ने कहा कि सौभाग्य की बात है कि पेमासर गांव को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए जाने से गांव के लोगों को बहुत फायदा होगा। गांव के किसान पहले कृषि विश्वविद्यालय जाकर खेती के बारे में जानकारी लेते थे। अब कृषि वैज्ञानिक खुद चलकर गांव आयेंगे और किसानों को उन्नत कृषि और फसल उत्पादन बढ़ाने इत्यादि के बारे में जानकारी देंगे।

कुलपति डॉ अरूण कुमार ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय जिला प्रशासन, राजुवास और सरपंच के सहयोग से पूरी कोशिश करेगा कि गांव का सर्वांगीण विकास हो। कृषि और पशुपालन से जुड़ी हर समस्या का समाधान किया जायेगा। केवल कागजी कार्यवाही ना करके हमारे कृषि वैज्ञानिक प्रत्येक 15 दिन में गांव आकर किसानों से मिलेंगे और उनकी समस्याएं जानकर उनका निदान करेंगे।